



फ्लेमिना

नागराज

सुपर कमांडो ध्रुव
का मल्टीस्टार विशेषांक



संजय गुप्ता
पेश करते हैं!

फलेमिना

कथा : जीली सिन्हा चित्र : अनुपम सिन्हा इंकिंग : विनोद कुमार सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय सम्पादक : मनीष गुप्ता



तुम ब्लोग आठ हजार फीट ऊंची बर्फ से ढकी चोटी पर जा रहे हो! वहाँ पर बहुत ठंड होगी!

पापा, आप तो जानते हैं कि मुझे बटन गर्म रखने के लिस जैकेट की जरूरत नहीं है! वह तो मुझे सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिस पहननी है!

दूसरों की? हम! ये दूसरे कौन हैं जिनको तुम्हें अपनी जैकेट दिखानी है?

ओ, कम ऑन पापा!

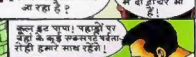


मेरा मतलब तुम्हारे साथ मऊटे निबसि हिप पर और कोल-कोल आ रहा है?

बिडाल, तरुण, डागि, ताक्या और विषाक! और साथ में दो टीचर भी हैं!

सब हमारे टेनिंग टीचर हैं और दूसरे हमारे जप टेपरेरी कंप्यूटर टीचर सिल्लू सर!

सिल्लू! ये तो बच्चे का नाम है!



कुल ब्रुट पापा! पहचानों पर वहाँ के कुछ सक्सपटे परतारोही हमारे साथ रहेंगे!



सर भी बच्चे ही हैं!

हे भगवान! ये कैसी हिप है? बच्चे टीचर बनकर जा रहे हैं!



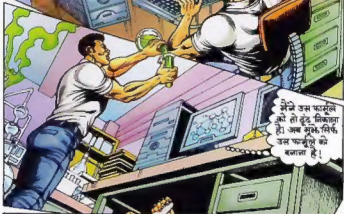
ओ, के! ओ, के!

लीजिस! मुझे लेजे के लिस बैन भी आ गई! बाय, बाय, पापा!



हब सनाइस टाइम बेटा!

आहा! अब मैं आराम से उस फार्मूले की डोथ पर लूट सकता हूँ, जो इस बाय-वेटी में सबसे उस कालेक को मिटा देगा, जो हमको सामान्य भोजन बनकर जीने नहीं दे रहा है!



मैंने उस फार्मूले को तो हूँद निकाला है। अब मुझे सिर्फ उस फार्मूले को बनाना है!

और इस फार्मूले को दो बार पीने के बाद इस दुनिया से लूक कर लूसो मिडाल मिट जायगा!





बस कुछ ही देर में... ओ ओ!

फिर लाइट चली गई? आजकल बिजली बहुत जल रही है! और बिना बिजली के मेरा काम आगे नहीं बढ़ सकता! चल भाई कल्लावा, आराम कर ले थोड़ी देर! ✽

बिजली के बगैर कल्लावा का काम चले सकता था -

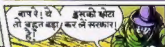


लेकिन कई लोगों के काम बिजली नहीं आने से आसान हो जाते थे -

हां, रे? कहाँ जा रहा है? रोड-टेक्स तो देना पड़ेगा!

रोड-टेक्स? वो तो सरकार लेती है न!

मैं देता हूँ, बराबर देता हूँ!



बाप रे! वो तो बहुत बड़ा है!

इसको छोटा कर ले सरकार!



यहाँ के सरकार हम हैं! ला, जो है, निकाल!

पर रसीद तो देगा न भाई? साइन करके!

रसीद देगा न! तेरे छोबड़े पर! इस आठ इंच वाले पन से!



फोफिंग

हूँSSSSSS

उयईSSSS?

आSSSSSS

बचाओSSSS

काम करना है! मेरा
घर काम करता है!

लेकिन इसको जरा
और बड़ी बस पर
आजमाना चाहिए!

जैसे वह... क्या
कहते हैं उसे... हां,
बस!

ही ही ही!



लेकिन संयोगवश
मदद भी पास में
ही मौजूद थी-



अरे! ये क्या २ में तो
सहानगर में होने वाली
ब्रह्मांड रक्षा की
इमर्जेंसी मीटिंग के लिए
जा रहा था। लेकिन
बलात् है कि मैं मीटिंग
के लिए लेट होने
वाला हूँ!

भगवान!
हमें बचाओ!

ओफ़! ये बस तो
बहुत तेजी से छिंक
रही है!

खिड़कियों और
दरवाजों में पकड़ने
तक की ज़रूरत
नहीं है!

बर्बा
मैं इस मेटल
चादर को कागज
की तरह फाड़
डालता!

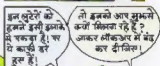
अब रुक, ठी
शकस्त है!



इच्छाधारी कर्णों में बदला
हुआ नागराज का शरीर बस
के अंदर घुसना चला गया-



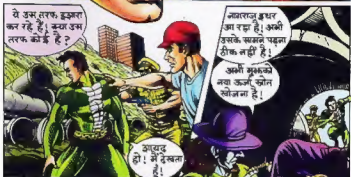
और-





अरे! ये तो... यानी
इनका सामना भी उसी
वास्ति से हुआ है,
जिसने बस पर बार
किया था!

शायद इन्होंने उसको
देखा भी हो!



ये उस तरफ इधारा
कर रहे हैं! क्या उस
तरफ कोई है?

नगराज बुधर
आ रहा है! अभी
उसके सामने पहुँचा
ठीक नहीं है!

अभी मुझको
नया ऊर्जा स्रोत
सोचना है!

शायद
हो! मैं देखता
हूँ!



जब, रैजनी!
रोक नगराज का
रास्ता!

और हो सके
तो इसकी सोर्सो
को भी रोक दे!

ओह! ये क्या है?
एक छोटा सा कीड़ा!
क्या वे खोर इसी की
तरफ इधारा कर रहे
थे?

नहीं, ये कीड़ा इसका
बुराबना नहीं है! और
इसमें पिस्सोव को
छोटा कर सकने की
शक्तता भी नहीं
हो सकती है!

और...

अरे! ये
कीड़ा तो
बिजली बन हो
रहा है!

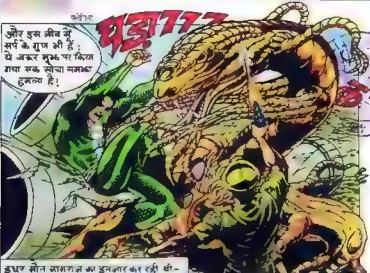
घो कर रहा है,
बिजली का वह
रूप धारण कर
रहा है!

असली मसीहान
इन पाइपी के पीछे
छिपी है!

और मुझे उस नक,
पहँचकर उसको
हमेशा के लिए
खत्म करना
होगा

धड़ १११

और इस जीव में
सर्प के गुण भी हैं !
ये जकर मुझ पर किया
शया सब सोचा समझा
हुमला है !



उधर सैन नागराज का डूनकार कर रही थी -

और उधर ज़हरील रहक -

ये नागराज कहा
शायद ही शया ?
स्वामरन्ध्र में हुमा
टाड्डन स्वराज हो
रहा है !



कोई कारण
जकर है ! नागराज
के आने के समझ
से तो मुझ घड़ी
मिलना सकते
हो !

डीsss ! मेरा
ट्रॉममीटर अहाजगर पुलिस
का स्वास मैसेज पकड़ रहा है !

मुझे ! मे
म्पीकर आन कर
रहा है !

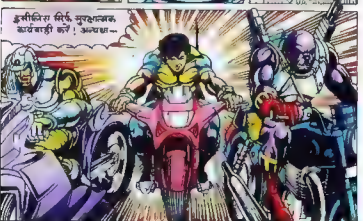
पुलिस यूनिट्स 25, 44, 31 घायल हैं! सड़ित रोड पर जगमगाते सड़ित विद्यमानकाय जीव से भुग्न रहा है! प्राणी स्वतन्त्रता है! पूरे इलाके की जाकाबंदी कर दें...



...और किसी को भी छतना-रक्षण से 500 मीटर की दूरी से आगे न जाने दें!



स्वयं भी सतर्क रहें! और स्पेशल यूनिट के आगे का इंतजार करें! आम बंदूकें प्रगुनी पर बेअसर हैं!



इसीलिए सिर्फ सुरक्षात्मक कार्यवाही करें! अन्यथा...

स्पेशल यूनिट को बौना बना देने वाली सड़ित स्वास यूनिट जगमगाती मदद के लिए खोजा हो चुकी है!

और दार्जिलिंग से ८० किलोमीटर
दूर पश्चिम में-

आवाज़ बच्चों!
तुम सब बहुत
अच्छा कर रहे
हो : धनराज
मन : दो ईस्टर
नुस्करे आगे हैं
और दो पीछे !

कहीं कोई
खतरा नहीं
है !

हाँ ! ये बूँदें
हैं ! बच्चे !
बच्चों !

देखो ! अब ध्यान में
देखो ! अब हम पहाड़
झुक कर आ रहे हैं !
इसके लिए सबसे पहले
हम बर्फ से कीलों
गड़ेंगे !

चार, मेरे पैर
झोंप रहे हैं जमीन
हिल रही है ?

ये जमीन
नहीं है, बर्फ
की मोटी परत
है !

कितनी
पहाड़ान के नीचे
धिपने की कोशिश
मल बनना : केई
अब दूदों !

कंपन तो मुझे
भी महसूस हो रही
है ! कहीं भूकंप तो
नहीं आ रहा है ?

ओ माई गॉड! ये
बर्फाली चट्टान तो इधर
ही आ रही है! अब हम
नहीं बचेंगे!



मैं मरना नहीं
चाहती! मैं मरना
नहीं चाहती!

रुको अम्मा! इधर-
उधर मन भाये, बर्फ की पर्त
के नीचे कई स्वतंत्र भिरे हो
सकते हैं!

बर्फ की चट्टान बच्चों
को कुचलने के लिए
बढ़ती आ रही थी-

और उस बिज्ञान चट्टान
में बचकर भाग जाना

या उसको जल
कर जाना असंभव
था-



या उसको रोक, पान-



व्हाट! ये चट्टान
पहले हम में रुक गई,
और फिर टूट गई! पर कैसे?
छायाद ये हनुकी और
कचड़ी बर्फ की बनी थी!

लेकिन इसकी
कई गारंटी नहीं
हैं कि, बाकी
चट्टानों भी
इस जैसी
ही हों!

ओह! ये बदमाशें
मंसूफ में बहुत ज्यादा हैं!
मैं इन सबको एक साथ
अहीं सेक सकता!

अब होनी होकर
ही रही-

जिसका अभिप्राय तक
नहीं था, वही हुआ-

अब तो कोई
अब होनी होकर
ही रहेगी!

फलेजिना?

फलेजिना! तुम
कहां से आ गईं?

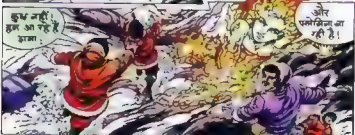
मल्लम मल्लम! तुमको
कहना चाहिए था कि
'येक बीड': तुम मंसूफ
पर आ गईं, फलेजिना!

हां फिर सिक, 'येक बीड'
मे भी काम आ
जाता!

मे कुछ-कुछ
समझ रहा है कि
तुम कहां से
आई हो!

डामा!

डामा, तुम
कहां हो?





इन तीनों की मौन विधि थी
वा नहीं, ये कहना तो मुश्किल था-

लेकिन नागराज का भी बचना मुश्किल लग रहा था-

मेरी पिचपुंकार इस पर सिर्फ इतना ही असर डाल पा रही है कि मुझे इसके शिकंजे से आज़ाद कर सके !

कु
कु
कु

अब मेरे सामने एक ही रास्ता है !
विषदंष्ट्र का प्रयोग करने का !

इसके अगिर में अपना विष पट्टाकर इसको माला डालने की !

आसस हा !
नष्ट हो गई वे आफन

नागराज !
तुम ठीक हो न ?

ओहो ! धन्यवाद दोस्तों ! तुम मेरा एकदम सही बन्स पर आरु हो !

मीटिंग प्लेस तक जाने के लिए लिफ्ट मिलेगी ?

和

3555

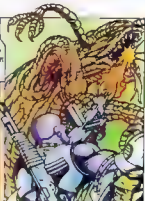
ये गलबहार
भी फिर कैसे
विकसित हो
गया ?

पना नहीं!
मैंने आते ही
इसका बाघो स्केन
करने की कोशिश
की थी ! लेकिन
स्केन में कुछ
आया ही नहीं!

ज्यादा टेक्नीक का
इस्तेमाल करोगे तो हवा ही हाथ
आएगी । होश बाबा सीधा रास्ता अफसरो!
मैं इसके इतने दूकड़े कर दूंगा जिसको खन
कर भी आपस में जुड़ने में मदियाँ बीन लवसेरी

दुश्मन को इतना कमजोर
जित मसखरा होगा! अभी
हमको इसके बारे में कुछ
भी नहीं पता है,

जब तक हमको इसकी
अग्निशक्ति और कमजोरियों
का पता न चल जाय तब तक,
हम इसको मारने की योजना
नहीं बना सकते!



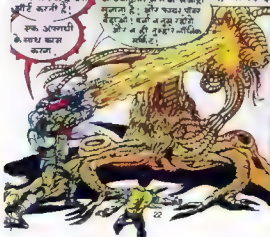
नम तो फिर, इसकी
अग्निशक्ति की योजना बनाओ
क्योंकि हमारी फायर चीयर
इसको धुंआ बनाकर
हम में उड़ा देगी!

स्टील!

मेरे लीडिक, मर्कट
को फिर, एक ही बात
गोर्त करनी है!

एक अस्पाही
के साथ फायर
कारण

तो नम मुझे, नम मसखराओ!
जे नम हमारे जैन की मसखरा
मुलाजा है! और फायर चीयर
बैदाओ! बर्बाद नम रहेंगे
और न ही नमहारे लीडिक
मर्कट!



हमारी को
स्पष्ट अधिक!

फायर
चीयर को
हंका बना
पड़ेगा!
ओह
मैं!



और अगले ही पल

अरे! मेरी हेवी हथूरी गल पिस्तौल के साइड की कैसे हो गई!

अब लेजर पिप का प्रयोग करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है, क्योंकि मेरा कपड़े में मेरी डेटरी कापि ने भी मे दिव जाले होना पर और कोई तरीका नहीं है.

मेरी सुपर-गन का भी यही हाल हुआ है. अब हुआ ही खतरा पीछे में कपड़ों की गीली के बराबर का टुकड़ा है!

इसका इस विज्ञान ज्ञानी पर कोई असर नहीं होगा!

और ज़ीस के साथ-साथ रिताजी के हथकड़े भी ज़मीन पर आ गिरे-

स्टीव! मुझसे कर दिनजता! पर तुम डीक तो हो

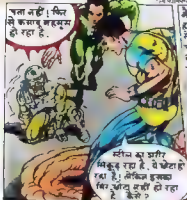
सुपर लेजर की चमकभून किरण मे रेंगती को कई भागों में बांट दिया.



डीक हं! बस जरा भी डेटरी दिखवाई हो गई है!



क्या हुआ स्टीव?



पता नहीं! फिर
से कसावू महमूम
हो रहा है.

स्टील का ड्रायर
मिचक रहा है, ये छोटा हो
रहा है! लेकिन इसका
बिग आउट नहीं हो रहा
है कैसे?



मैं समझ रहा हूँ!
हमने आसपास कोई
ऐसी ड्रिन्क है जिसे
पास बनसुओं को छोटा
करने की ड्रिन्क है!
परन्तु इसमें खाली
जेमिन, पदार्थ को
ड्रिंक करने की
ड्रिन्क नहीं है!

अगर वह ड्रिन्क हमने
आसपास है तो इसको
उसे इंट्रक और कोई
बड़ा उपान मचाने
से रोकना होगा!

बिनाकुल
सही! अबो!

लेकिन नहीं-

तीनों के बदन कदम
छम साग



ये... ये तो हमारे
ही कप है.

अब तक नहीं बलिकीर
नई मुसीबतें उनके सामने थीं-



क्या इस जीव के
पास भी मुश्किल तरह कोई
इन्फार्मर ड्रिन्क है अबतक?

मे गेता नहीं समझना
होगा! कारण कोई और ही है!
और अगर उस कारण का पता
नहीं हम इसको खत्म नहीं
कर सकते!

और वहां से हज़ारों किलोमीटर दूर-

आऊँ...

अरे! ये हम कहाँ आ गए हैं? लगता है कि हमने हिमालय की गुफाओं में कुछ कोई बंद रहस्य ढूँढ़ निकाला है!

आऊँ...

ओह, देख के!

सुझावों तो ये किसी प्राचीन लेकिन विकसित सभ्यता के अवशेष लगते हैं!

मैं डिजिटल कैमरा से इसकी फोटो उतार लेता हूँ!

बर्नो क्या पता कोई हमारी खोज यकीन करे या न करे!

अरे! डिजिटल कैमरा में तो कुछ आ ही नहीं रहा है! उगधद ये पिरामिड से खराब हो गया है!

फोटो तो हम तब दिना पाएंगे जब यहाँ से बाहर निकल पाएंगे! हम बाहर कैसे निकलेंगे?

उसी सुरंग से जिसने हमको यहाँ तक पहुँचाया है!

वह सुरंग बर्क में टककर गायब हो चुकी है! कोई और रास्ता ढूँढ़ो!

रास्ता तो मैं एक मिनट में...

चुनें!

क्या गुरु-

हम हम!

उनी इस तेज़ लकीरों की यह समझने में ज्यादा बकल नहीं लगाए कि मैं ही छोटा गायराम हूँ!

ये बिप्लव क्या मकान बन रहा है! जैसे कि मैं उड़नी ही नहीं कि वे छोटा भारत है! पर वे नहीं जानते कि मैं फ्लेमिंग हूँ! और इन दोनों को पता है मे उड़ा कर यहाँ से निकाल ले जा सकती हूँ!

लेकिन जब वे मेरे सामने अपना भेद नहीं खोल रहे हैं तो मैं इनके सामने अपना भेद क्यों खोलूँ?



कहीं से भी आ रही हो, अच्छा ही है, अब मैं आगम से बच से दूँगी इस मुरंग को खोल सकती हूँ! फ्लेमिंग के रूप में!

बिप्लव सिन्हा इधर आओ! मुझे तबला बजाना है!

लेकिन क्या उस रहस्यमयी मुख से निकलना इतना आसान था?

मुझे पता कि, धुंध घनी है लेकिन तुम मेरा हाथ इतनी कमरे क्यों पकड़ रहे हो? इनमें तो मन दरो!



है!

मैं कहाँ बर रहा हूँ! बर तो नू रहा है जो मुझ पकड़ रहा है!

एक बड़ी मूर्खाना आकार ले रही थी-

और उधर किसी की आंखें
आश्चर्य से फटी जा रही थीं-

ओह! लगता है
कि मेरी तलाश
पूरी हो गई
है.

मंजिला खुद
खोजकर मेरे पास
आ गई है.

इन्होंने फिर हमारे कप की
ही नहीं, हमारी इच्छाओं
की भी जाँच कर ली
है होगा!

और मेरे कप के
अंदर जो बिच पैदा हो
रहा है, वह मेरे बिच
जितना ही घातक
है!

तु जो भी है, तुने
होगा को चुनौती दी है!
और डींग चुनौती देने वालों
को चुन- चुनकर मारता है
गहना नंबर तेरा है...
और मेरे बाद...

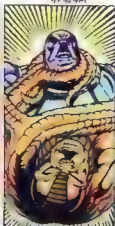
असह्य है!

इसमें तो मेरे
जेसी ही नाक
है;

कम नहीं है
तो कम करना
पड़ेगा।

तुम सही
कह रहे हो,
मगराज!

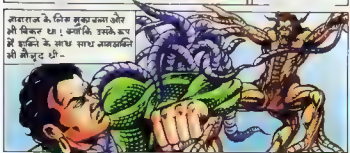
मेरा कप भी
कलबाजी में
मुझसे कम
नहीं है!





यह नष्ट हो गया था कि कोई भी रूप की नकल न कर सकता है - पर दिखात की नहीं-

जागराज के निम मुकाबला और भी बिकर था ! क्योंकि उसके रूप में इन्दि के साथ साथ जगद्विनि भी मौजूद थी -



जगराज जो भी कर कर रहा था-

व उसकी खुद भी भेलने पड़ रहे थे-

शुद्ध

लेकिन मेरी तक इतने
सेसी है जिसकी तकल
ये चाहकर भी नहीं
कर सकता!

आसस ह! मैं जो भी
कर करता हूं ये नहीं कर
सककर मेरे ऊपर कर देव है.

इच्छाधारी इतने!

अब पलड़ा जगराज का भरी था

जगमराज जीत गया था-

लेकिन अभी भी लड़ाई का अंत बहुत दूर था



ओह! ये तो रुकने ही नहीं हैं! क्या है इनकी डाकिले का राज?

जगमराज?

मजाक छोड़ होगा! मे तो हम भी खाने हैं!

ध्रुव



ये आवाज!
अरे, स्टील तुम!

हां, ध्रुव! मैंने लड़ाई के दौरान इस शस्त्री का छींटो-स्केन किया है! स्केनर छोटा होने के कारण समय ज्यादा लगा गया पर रिजल्ट आइडल्वजनक आया है.

ये प्राणी जैविक पदार्थों का नहीं, बल्कि लिंबिंग मेटल का बना हुआ है और उसके अंदर ऑक्सीडाइज होकर वाली रूपा में मैनुअल ऑक्सीजन के साथ संयोग करके विकसित करते हैं!

इसको नष्ट करना असंभव है! क्योंकि ये एक कण से भी एक इमारत जितना विकसित हो सकता है!



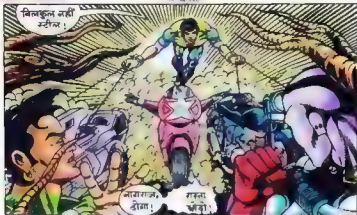
तब तो इनको मारना और भी आसान है, स्टील!



वो कैसे?

अब इनको हमारी मीटर साइड करने मंजुरी!

तुम पागल हो गए हो ध्रुव!



अब इससे पहले कि हम
पर और कोई हमला हो,
हमको हमलावर को दंड
निकाशना है.

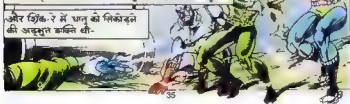
ये जीव इधर
से ही आया था!
फनी हम पर
हमना करने वाला
भी इन पाइपों
के बीच में ही
भुषा हुआ है!

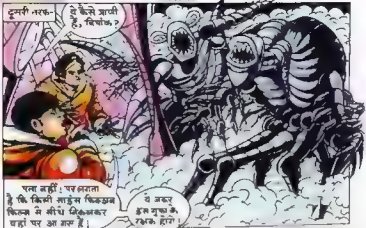
जल्दी ही-

ओहो! तो ये
मूसीबत की
जड़!
अरे!!

जीत की खुशी में ब्रह्मांड रक्षक ये भुल गए थे कि
उनमें से हर एक के शरीर पर धातु की कोई न कोई बस्तु थी

और शिकार में धातु को निकोदने
की अद्भुत कला थी-





दुमरी नरक-

ये कैसे आयी है, विष्णु?

पता नहीं! पर ज्ञाता है कि किसी साहुंस फिकड़न फिकड़न से सीधे निकलकर वहाँ पर आ गये हैं।

ये जकर इस मुका के, गहक हारे।



और इनसे बचकर यहाँ से निकलना आसान नहीं होगा ॥११॥ आ ॥१११॥

अरे, इन्होंने तो हमला करने के बाद हमारी नरक देखी तक नहीं। ये तो हमसे दूर जा रहे हैं।

आमा की नरक! अभी उपर से आमा ने हमको आवाज दी थी।

ओह! यानी आमा की आज हमसे में है।

और उसको आमा नहीं, फनेमिना ही बचा सकती है!

आमा की ही कुछ ऐसा ही आवाज दी रहा था- विष्णु अभी पीरवा था। वह किसी सतरे में है।



लेकिन इससे पहले कि फ्लेमिंगा
विशोक और मिलन्य तक पहुँच पाती
कोई और उस तक पहुँच गया था-

अरे!

यस ठानो जे
भी हो, लेकिन फ्लेमिंगा
मे टकराओगे नो खाक
मे बहस जाओगे!

स्विरि स्विरि
स्विरि...

अबस है!

मेरी आग
का डून पर
कोई असर
नहीं हुआ।

क
मं

इसलिए ये स्पेस मेटल के बने हुए हैं और यह क्रपा की सबसे अच्छी सुचालक है! बेस्टर कंडक्टर!

देखो, तुम्हारी सारी सज्जी तुम्हें चार होकर जमीन में समा गई है! अगर तुम्हें कोई नुकसान पहुँचाए!

यानी मेरी हीट पावर तुम्हें बेअसर है!

फिर मैं इनसे कैसे लड़ूंगी?

इनसे हम लड़ेंगे! पर एक इलाक़े पर। तुम पहले ये जगह लो कि तुम ही डाला हो!

जब मैं ही नहीं ले पाऊँगी तो मैं कैसे मान लूँ?

तो फिर हम इसा को बंद कर अभी वापस आते हैं! तब तक तुम इनसे अपनी जान बचाने की कोशिश करती रहो!

अरे नहीं! मुझे छोड़कर मत जाओ!

मैं मानती हूँ कि मैं ही इसा हूँ विजय और सिल्वर!

ठीक है, जब तुम्हें
आनंद ही मिला है तो
हम इसकी बचाली
जाने की कोशिश
कर रहे हैं।

हम! यानी तुम्हें भी
यह आनंद मिला है कि,
छोटी नारायण और सख्त
आनंद में विचार और
मिलन है।

हां!

ये हम
कर कर
गए, मुक...

संसा है
ही नहीं।
संसा हमने
कब माना?

अभी! जब मैंने उस
दोनों को मिलान और विचार,
कहकर पुकारा और मैंने मुझे
जवाब दिया!

ही ही ही!
नहीं तो नम
है!

हमें ही
उल्लू बना
दिया!

उल्लू तो नम
दोनों ही हैं...

... बर्बाद रही रही
करने के बजाय मुझे
बचा रहे होते!

ये मुझको अपने
अंदर बंद करने की
कोशिश कर रहे हैं!

तुम बक बक,
बंद करो की तो मैं
कंसंट्रेट कर पाऊंगा
न!

तुम मुसीबत
को जड़ से नहीं,
पड़ से उखाड़ देंगे
ही!

उ
ऑट!

इससे पहले कि
हम पर कोई और
हमला करे, यहाँ
से निकल लो!

मैग हाथ
पकड़ी!

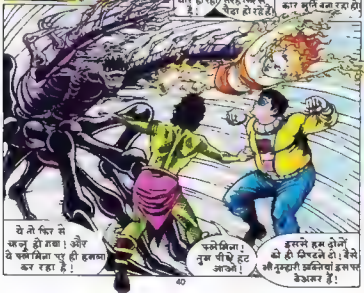
ओ ग्रीड!
ओ ग्रीड!

क्या हुआ
साइडी?

हुआ नहीं
है। धीरे-
धीरे हो रहा
है।

इसके लिए
संकाय की
तरह फिर से
चौड़ा हो रहे हैं।

इस तरह से,
जैसे कि कोई विस्फोट
कार बुरी बना रहा हो।



ये तो फिर से
चलू हो गया! और
ये फ्लेमिंगा पुरी ही हमला
कर रहा है!

फ्लेमिंगा!
तुम पीछे हट
जाओ!

इससे हम दोनों
को ही छिपाने दो! जैसे
भी नुमहारी इच्छाओं इस पर
केअसर हैं!



दो अलग-अलग स्थानों पर दो अलग-अलग घटनाएं घट रही थीं। लेकिन ऐसा लगता था जैसे कि, ये दोनों घटनाएं कहीं न कहीं से एक, जैसी ही थीं

आइए! मेरी बेल्ट मेरी आंखों को पीस रही है!

बच्चे के लिए इच्छा-धारी इच्छि भी काम नहीं आया! क्योंकि शरीर से संपर्क होने के कारण ये भी इच्छाधारी कणों में बदल जायगी!

मुझे तो लगता है कि मेरी कुछ परसवियां टूट चुकी हैं।
हुं SSSSS

मेरी कलाईयों का भी यही हाल होने वाला है!

और मे ड्रग्स का भी रजोल नहीं पा रहा हूँ! लौक छोटा होकर फंस गया है!

लेकिन जहाँ पर हमला करने के असंभव तरीके होते हैं-

यहाँ पर बचाव के भी अवगणित रास्ते होते हैं-



नागछबिने! मटट करो मेरी!

SSSSS

अब मुकदमला शिक रे और नगा छबिने के बीच में था-

श्रुव ने भी एक रास्ता खोजा कर लिया था-



ससिड्ड केप्पुलन इन कठों को गला सकते हैं! लेकिन बेल्ट के साथ साथ इसके खानों के मुँह भी छोटे हो गए हैं!

मेरी उंगली तक इसके अंदर नहीं जा पा रही है! लेकिन केप्पुलन तो बिकरलना ही पड़ेगा! एक दूसरा रस्ते हैं मेरे पास!

जिससे कि, ससिड्ड केप्पुलन अपने आप मेरे हाथ में आ जायेंगे!



आ राख

एक इच्छि बेल्ट को छोटा कर रही थी और दूसरी इच्छि बच्चे

होना बुरी तरह से
फंसा हुआ था-

आह! ये कबच अब
तक मुझको दुश्मनों की
शानियों में बचाना आया है।
लेकिन मुझे सचने में भी
रखाल नहीं आया था कि
एक दिन ये कबच ही
मुझे खर डालेगा।

अगर इस कबच में
दरार भी होती तो मैं इसे
फाड़ डालता। पर इसमें
दरार कहाँ से आसगी?

और इनमें अभी भी
इनका साकद है कि जब
छेदा होता कबच इनपर
टकरा डूलेगा...



... तो शानियों एक साथ
फट पड़ेगी! आह! ह!



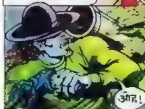
मेरा डायर तो जल्दी
नकर होगा, लेकिन ये
धमाका कबच में दरार
भी डाल देगा...



अब हमारे बदन पर
घन की कोई भी
चीज नहीं है!

नी नून अब मेसा
साजना डुक कर दो कि
नूमारे बदन में एक
भी दड़ुही नहीं
है!

क्योंकि अब
हम नूनको
मभी धक्के
जब नूमारी
दड़ियों चुरे
में बदन चुकी
होती!



मैं फंस गया! अब अगर
जल्दी ही कुछ न हुआ तो मेरे साथ-
आह! साथ लाने जावे खोली जाएगी!

हूर नरक एक ही सवाल था

जान बचाने का-

मेरी अकलियां भी इन पर बेअसर हैं! काफ़ी व हीट के इनने अच्छे सूचानक न होते तो मैं इनको गमना देती!

सुनो! एक फ़तान है मेरे पास!

पर उसके लिए सबको मदद करनी होगी, और राहुलिंग भी परफेक्ट होनी चाहिए!

हो नास्सी! फ़तान बताओ!

और फिर-

ओह! एक तो इनकी धातु बहुत मजबूत है और दूसरे वे मेरे बलों को महसूस ही नहीं कर रहे हैं!

ये लगते तो गंभीर ही हैं! पर कबरा मरना है तो ये इनने मज़ीब कैसे बना रहे हैं-

"कि कौन मुझे पार किस नुस फलेजिला तक नहीं पहुंच सकन-"

संदेहा स्पष्ट था

यही मौका है! बस मेरा निशाना न चुके!

निडरता नहीं चुका



और उस किंक के साथ



उन प्राणियों के भारी बदन टूटते हैं
एक मिनट -



विचारों का निडरता भी नहीं
चुका था -



और न ही फलमिला का-



हमें तो इन
स्वतंत्रता के प्राणियों को
मरवा दिया! कसबान
हो गया!

कसबान तो होना
ही था! इनमें होने
के कारण इनका संघर्ष
जमीन या दीवारों से
नहीं था!

और इनके
पास नुस्खारी हीट
की कहीं और
रहना सकने का
तकैला भी नहीं था!

इस कारण से
नुस्खारी हीट सबसे
झूठी के अंदर रह
गई और उनको
पिघला...

...फलमिला!



ओह, ये
धुंध मुझे क्यों
चिंते रही है?

फ्लेमिंग!

धुंध जितनी तेजी से आई थी,
उतनी ही तेजी से बिखरती चली गई

और धुंध के साथ-साथ -

फ्लेमिंग गायन
हो गई! पर
कहाँ?

अब हम
अपने साथियों
को क्या
बतायेंगे?

सच बतायेंगे
तो कोई यकीन नहीं
करेगा! बच्चों पर कोई
यकीन नहीं करता!

फिर हम
क्या करें?

पहले तो यहाँ से बाहर निकलना
है! अगर यहाँ पर हमको टूटना
है तो कोई आशा तो सब
बड़बड़ हो जायगी!

पर बाहर
जाकर हम करेंगे
क्या?

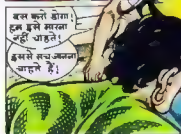
... हमने
इसका कोई बहुत
टूटता सर!

लेकिन
बहुतकहीं
नहीं मिले!

यही कि...

व्हाट!
अब हम
उसके फाट
को क्या-जब
देने?

इन
पहाड़ों में
किसी को
सीढ़ी पाना
असंभव है!



बोल! कहां से मिली
तुम्हें ये पिस्तौल? वृ
कौन है?

कॉपी-न

आसस ह!

थिंक ठान
चसक रही है
है!

यानी... यानी
मेरा काम हो गया है!
मुझे ऊनी मिल रही है!

अब देखना यह है
कि इसमें इतनी ऊनी
है या नहीं जो...

... इसने को और अगर इसने इसने
भी थिंक कर जो थिंक कर दिया तो मेरा
सके! अभिवादन पूरा होने का सन्ता
है।

अर्थात् इसकी
ऊनी में 70 प्रतिशत
पानी होता है!

उस रहस्यमय ऊनी
का आविरी निदाना पानी ही था-

और उस पर हमला करने का
उसका रास्ता साफ हो चुका था

आऽऽऽह!

ओऽऽऽह!

डऽऽऽऽऽऽ

हा हा हा, मेरा प्रवेश
सफल हो गया! अब
मुझे अपने अभियान
को पूरा करने से कोई
रोक नहीं सकता!

कोई भी
नहीं!

कौन भी
नहीं?

कौन सावधान हो
गई? पर कैसे?

क्योंकि, य
दोनों बहुत
बोले रहे
हैं!

मेरा उद्देश्य
पार्टी का रोक
डिस्टर्ब करने
लोगने है,
मिस्टर कैप्टन!

पता
नहीं अंकन
बस एक धुंध
सी आई, और
उसके खींच
ले गई!

लेकिन
उसी को क्यों
ले गई? दुस
लोगों की बात
नहीं ले गई!

आ—
आखे मेरी
बेटी को दूध
निभाला या
नहीं?

मुझे
दुध के
साथ 'नहीं'
कहना पड़
रहा है!

इस लड़कों ने मुझे बताया था कि आपकी बेटी जहाँ पर गुम हुई थी वहाँ पर मशीन्स का अद्भुत जगत था।

लेकिन इसकी बगल में जगह पर बड़ी मुश्किल से उतरने के बाद हमको वहाँ पर सिर्फ एक सुरंग मिली, बर्फीली सुरंग।

मशीनों का काहीं कोई सामानिज्ञान नहीं था।

और न ही आपकी बेटी का।

...सफेद मूठ बोला था।

कोई बात नहीं! बच्चों को कभी-कभी गुम हो जाता है।

पर आप मेरी बेटी की तलाश जारी रखिए।

लेकिन... लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है। हमने तो...



जकर! अब मैं चलाता हूँ!

धन्यवाद!



अंकल, हम मूठ नहीं बोल रहे हैं!

तो सब धोका! ये बताओ कि हमला कहाँ पर ही क्यों हुआ?

तो... तो, अंकल...

तुम जानते हो कि उसका असल बच्ची नहीं है?

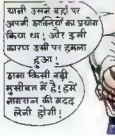


यस, अंकल।

यानी तुम जानते हो कि...

--डामा, फ्लेमिंगा है!

ओ गॉड!



यानी उसने वहाँ पर अपनी इकित्तों का प्रयोग किया था। और इसी कारण उसी पर हमला हुआ।

डामा किसी बड़ी मुसीबत में है। हमें नाराज की मदद लेनी होगी।

ओ गॉड! एक और मुसीबत!

अब मुझे ही कुछ करना होगा।

पर सवाल ये है कि फ्लेमिंगा इस वक़्त कहाँ पर है?

लेकिन नाराज तो कम से कम आप ही नहीं!

फ्लेजिना और जगन्नाथ
इस दबन माध में ही थे-

सब अत्यंत रहस्यमय
और गुप्त स्थान पर-

हा हा हा!

अब मेरे पास ऊर्जा
का स्रोत भी है और
मेरा रास्ता रोक सबको
बाले भी मेरे रास्ते
से हट चुके हैं!

ये

ब्रह्मांड रक्षक मेरे
जिस बल इलाक है जो
मुझे काम पूरा करने
से पहले ही जिन
चुका है!

लेकिन मेरा
असली शाइन तो
न है न इसी काली
गुप्त में ही मुझे ऊर्जा
का बहुभक्षक मिल
है, जिसकी मदद
से मैं अपना
अभियान पूरा कर
सकूंगा!

धरती काओं,
प्यास से मरने के लिए
नैखर हो जाओ!

पृथ्वी का जीवन स्वतरे में था और किसी को उसका आभास तक नहीं था-

अज्ञात स्वतरे में है खर, और नुम हाथ पर हाथ घरे बैठे हुए हो?

एकान्त भ्रमने के निरु हाथ पर हाथ धरकर ही बैठना पड़ता है, गुरु

में अज्ञा से मानसिक संपर्क, बनाने की कोशिश करने जा रहा हूं!



क्योंकि पृथ्वी को भ्रमने की शुरुआत हो चुकी थी

अज्ञा को जल्दी में जल्दी हड़ताल बहून नकली था-



वाक-555
शक्तिरा जितनी स्वतंत्रता होनी है, उतनी ही रोझोचक भी होनी है!

सुपर सम्मेलन!

हम रुक क्यों गए हैं? क्या हम किसी चट्टान में फँस गए हैं?

चट्टानों में ही फँस गए हैं, दोस्तों!



क्योंकि धारा पूरी गहराई में सूख चुकी है! चट्टानों में फँस कर शीतलपन का कई निदान नहीं है!



लेकिन मकसद ऐसा कैसे हो सकता है! ये तो... असंभव है!



असंभव को संभव बनाने के लिए ही तो शेरू यहाँ पर आया है! इस धारा का पानी अब इस गुफा के अंदर है। पानी जिक्र होकर दो बूंदों में सिमट गया है!

लेकिन मैं भी रेजवारी क्यों बंदोर रहा है। धन का भंडार तो कहीं और है। और वह है पृथ्वी के महासागर।

पहाड़ी क़रनों के स्कार्पिक सूखने का असर ज़ख्मी ही पानी की मुख्य स्रोत नदियों पर भी दिखने लगा-



और पानी के निम्न नदियों पर निर्भर रहने वाले कुंआरों पर भी-

इस समय तो पानी आता था। पर आज जल मुझे क्यों पड़े हूँ ?



बता नहीं यह सच है या अफ़वाह!



लेकिन तबें सुना है कि हिमालय के पहाड़ी क़रने स्कार्पिक सूख गये हैं!

अब पानी के कारण सूख बहने की नी बात आ गई थी-



हट! पहले मेरी बान्नी भरोसी!



मेरे बाप का राज है क्या ?

स्थिति नेज़ी से बिगड़नी आ रही थी-

और यह अब बंद से
बदतर होने वाली थी-



मिल
गई!

हैं!



क्या
मिल गया,
चेली?

फरेमिना
का पता मिल गया
है, गुरु.



सच! कहा
है बंद?

बहुत इस महानगर से
मैकडों किमोमीटर की
दूरी पर है! लेकिन वह
महानगर की तरफ ही
बढ़ रही है!

बढ़ रही है!
पर कैसे? उड़ने
हुए?

यस! उपग्रह वह
दिशाभय में किसी तरह
आजाद होकर हमारे पास ही आ
रही है! स्वयं उस गाथा है!



यस!

चेली, हम उससे
मकसे पहले मिलने के
लिए एक बट्टिया सी
जगह देदते हैं!

महानगर
की सबसे ऊँची
उभार की छत!

जहाँ इस फरेमिना
का स्वागत छोटा
ताम्रगज और जगहों
के रूप में ही करेंगे!

और जल्दी ही-

उत्तर उस दिशा में
है! फरेमिना उधर में
ही आगयी!



मुझे उधर
से कुछ आना दिख
ता रहा है!

लेकिन ये
तो फरेमिना
के माइज
की चीज
नहीं है!



ये तो...
ये तो...

ये... ये
क्या चीज
है, बेने ?

पता नहीं, गुरु,
लेकिन इसके डरावटे ग्वनरमक
नगने हैं! हमने ही फ्लेमिंग
का अपहरण किया है!

ये अरु फ्लेमिंग
की आँखों का दुर्कण
करना चाहना है!

हमें इसको
रोकना होगा!
यहीं पर

पर कैसे ? जितनी दूर मैं
मुझसे तीन हाथलौंग लगे, उतनी
दूर मैं तो वह कर्तु किलोमीटर
दूर पहुँच चुका है ! उसे रोकने
के लिए हम उस तक पहुँचेंगे
कैसे ?

वह चाहे जितनी
दूर और जितनी भी तेजी
से उड़ ले...

“... लेकिन वह जितनी से तेज नहीं
भोग सकता...”

आहहह !



ओह! हाँ मैंने
उसकी उम्मीद
नहीं की थी

कहीं फ्लेमिंगा
के चोट न लगा गई
हो!



जल्दी आओ

रुक, रुक...
पेले : मैं तेरी
स्पीड को चेक
नहीं कर सकता



आह!

अरे, रास्ता
दे!

रास्ता तुम्हें दे
वुगी तो मैं किस
पर चलकर
भागूंगी ?

ये लोग इधर
उधर भाग क्यों
रहे हैं ?

जहाँ पर फ्लेमिंगा
मिनी है, ये लोग उसी
दिशा से भाग रहे हैं!



सही भाग रहे हैं!
उस गड्ढे से तो बड़ी
बड़ी खतरा न उभर
कर बाहर आ रही
है!

यानी
इन्के पीछे-
पीछे...

फ्लेमिंगा को रोक करने
वाला वह प्राणी भी अब
बाहर आता ही होगा ..

... ओ भावा ! अब ये
कुछ ही सेकेंड्स में हमसे
कई किलोमीटर दूर भगा
जाएगा , अब इसे कैसे
रोकेंगे ?

रोकना तो
पड़ेगा ही,
मगड़बो !

और ये स्केगा !
बगैर फ्लेमिंगा को
अजानत किए ये
यहाँ से जा नहीं
सकता !

आइस है! ब्रह्मांड रक्षकों को तो मैंने डिस्क करके अपनी लैन में पहुँच दिखा है। अब उन्हें सादर वहाँ पर मुझे रोकने वाला संसा जैन पैदा हो गया जो बिल्डिंग की भी भुका दे।

पर... पर वे हैं क्या चीज? और फ्लेमिंगा की केट करके ये आपका कोन सा बकसद पुरा करना चाहता है?

अ तो इसका बकसद मामूली है और न ही इसकी उपस्थिति।

तभी अ तो ब्रह्मांड रक्षक इसका रास्ता रोकने की कोशिश करते और न ही वे पुरासे जीत पाता।

ये फ्लेमिंगा की माध लेकर घूम रहा है। और इसका सिर्फ एक ही कारण हो सकता है!

वो क्या?

ये फ्लेमिंगा का कुन्नेसाव डेटरी की तरह कर रहा है! फ्लेमिंगा से इसको अपना यंत्र चलाने के लिए कर्ज मिल रही है!

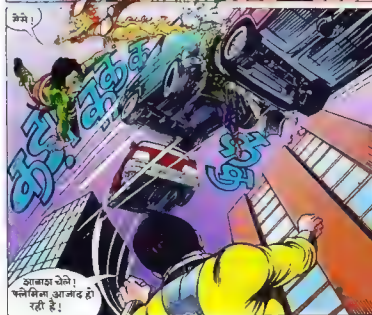
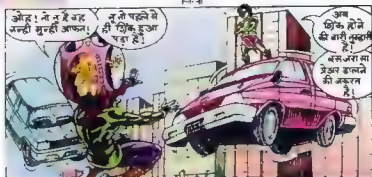
लेकिन इस यंत्र से ये क्या करना चाहता है?

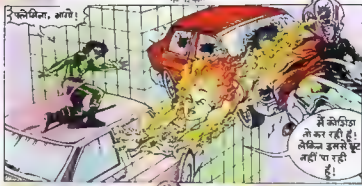
तुमने मुझ छोटा लामराज? लामराज को इसी में बाबत किया है! शिंक करके!

हाँ! और उसके माध इसके ब्रह्मांड रक्षकों की भी! अब इसको हमें ही रोकना है!

जबाब जल्दी ही मिलने वाला था-







नू मेरे ऊर्जा-स्रोत को झुकासे
अलग नहीं कर सकता, लड़के!
और न ही नू मेरा रास्ता रोक
सकता है!

मेरी नुक पर झिंके का इस्तेमाल
करने की तो बहुत इच्छा है, लेकिन
मैं उसे व्यर्थ नहीं करना चाहता।

इसी लिस में तेरे
लिस बर्च-ही छोड़कर
जा रहा है!

ये तो नुक
ऊर्जा पता चला
जाएगा!

मैं यहाँ पर ये
नजारा देखने के
लिस रुकना नहीं—

मैं तेरे पीछे—
ओह!

ओह!

नू इस
छोटे स्रोत को
कहाँ ले जा रहा
है?

ओह गॉड!
नन्हा, छोटा
नागराज!
य तो भूमीगत की
सिर्फ झुकाव थी—

और ये मुसीबत थिक हो चुके
ब्रह्मांड राक्षसों के सिर और भी
बढ़ी हो गई थी-

हमको इस
कैद से बाहर निकलने
का रास्ता ढूँढ़ना ही होगा,
दोस्तों!

मेरे पास कैद भी नहीं
है! वहाँ हममें से किसी कोड़ से
कोई चीज जबर मिल जाती
तो हमारी मदद कर
सकती!

पर कैसे?
इस समय तो मेरे
अंदर इतनी भी
ताकत नहीं है कि
मैं रुक धारा
नोद सकूँ!

हमको जानबूझकर
किसी केरे सिक्किड
में कैद किया गया है
जो हमको अद्भुत
नरह से ज़िन्दा तो रखे
हम है मगर हमारी
अकल से स्वकार
हमें कमजोर भी
कर रहा है!

अगर हम इस पाइप के
ऊपर तक पहुँच सके तो वहाँ से
कई दूसरे पाइपों का रास्ता खुल
रहा है; वहाँ से हम बाहर जाने का
रास्ता ढूँढ़ सकते हैं!

भूम तो दीवारों
पर चिपककर चढ़
सकते हो, जागराज!

भूम ऊपर
तक पहुँचने की
कोशिश करो!

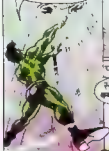
मैं कोछिड़ा कर चुका हूँ
स्टील! ये द्रव अत्यधिक,
चिकना है और इस पड़प
की दीवारों पर इसी कालेष
है! मैं दीवारों पर अपनी
पकड़ नहीं बना सकता



प्लान
तो बको!

प्लान सुनते ही-

स्टील
क्यों नहीं?



मैंने कहा न कि मुझे
चक्कर बहुत जल्दी
आते हैं! मैं मुझे
देख लूंगा ध्रुव!



नहीं! मैं... मैं ऐसा
नहीं कर सकता! मैं एस-एस
गोडों से एक साथ लड़ सकता हूँ, पर-
पर ये मुझसे नहीं होगा!

ओ कम
ऑन, होगा!

ऊपर तक पहुँचने का
सूक्ष्म और तरीका है।
और उसमें ये
निश्चिंद ही हमारी मदद
करेगा, जो हमको
कमजोर बना रहा
है!

पर उसमें हम
तीनों को अपना-
अपना योगदान देना
होगा!



विज्ञान का सीधा
सा सिद्धान्त है-

थोड़ी देर बाद
सूक्ष्म नहीं, बार-बार
ध्रुव दिखेंगे!

सबको
सूक्ष्म साथ
देख लेना!

किसी भी द्रव को गोल घुमाने से भंवर पैदा होती है, जिसके कारण द्रव बीच से दबता जाता है और उसके किनारे ऊपर उठने जाते हैं—

ओफ़! पाइप का धीर अभी भी दूर है! द्रव में इसमें ज्यादा भंवर पैदा नहीं हो सकता।

ये मौका दुबारा नहीं मिलेगा! मुझे कुछ और करना होगा!

द्रव में पैदा हुई घुमावदार ऊर्जा 'सेंटी फ्यूजन फोर्स' का इस्तेमाल करना होगा!

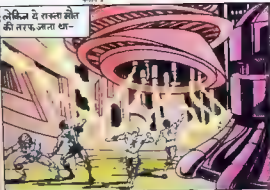
आइस है! बम अब मेरा हाथ न फिसल जाय।

लाओ, नाबालक! ओप रमसी को मेरी तरफ छोड़ो!

और इस वक़्त ऊपर उठने किनारे की सवारी पर ध्रुव सवार था—

कुछ ही पलों के बाद
ब्रह्मांड रक्षकों ने
बाहर निकलने का
रास्ता बंद लिया
था-

लेकिन ये रास्ता मौल
की तरफ जाता था-



सच कहा जाल तो इस
समय अधिकतर रास्ते
मौल की तरफ जाते थे-

ओह! तो ये
है, बर्छ दी!
इसमें से हज़ारों
कड़ फल उग रहे
और उनके अंदर
में घातक प्राणी पैदा
होकर निकल रहे
हैं!



इसकी तादाद
तो मल्लिखों जैसी
है!

इसमें
हम कैसे
निपटेंगे?



मकखी
बलकर!

ओ गुडनेस!
अनेक छोटा नगराज!
और वह भी मकखी जैसे
रूप में!

तुम्हारी इच्छितो
का कोई अंत है सी
या नहीं?

पता नहीं! जैसे ही
कोई नई मुसीबत मेरे सामने
आती है, मेरे अंदर कोई
नई इच्छित जगमग हो
जाती है!

और वह सर्पादर्शक
इच्छित मुझे यह बता रही है
कि इस रूप में मैं ज्यादा
दक्षता से उड़कर...



...इन मुसीबतों
से निपट सकना
है!

गुड! और मैं इस
मुसीबत को जड़ से काटने
का उपाय सोचता हूँ!



कादम्बर उतल
अरक्षा आइडिया
नहीं है!



डुस्साडुसा और जल्लोरा
ज्यादा स्ट्रेचिबल आइडिया
लगा रहे हैं!

अरे! ये तो रोसे
ही हुआ जैसे कि कोट्ट
कॉपिस की सीसी से पेड
जलाने की कोशिश
करे!

अब तो... आइए!

ये बर्ध ही
तो जगन हो
गक

हमारी लड़ाई
भी अभी तक बराबर
की है, माडको!

नकि.

अरे! बचे
ही की क्या हो
रहा है?

हुमके, नजे से
आप बढ रही है! जैसे
कि, ये गर्ज हो रहा
हो!

ये... ये तो
अपने आप गन रहा
है! पर कैसे?

लेकिन अब
धरि. धीरे धीरे तादाद
बढ रही है! ये प्राणी
बुझ पर हावी हो रहे
हैं!

फ्लेमिंग के
अलावा इनकी गार्मी
भला कौन पैदा कर
सकता है?



आवा ! जो जमीन को शलाकर मुरंग बना कर सीधे इस तने के अंदर प्रवेश कर सकता है !

लेनी • कहानी है ! अपनी इनी इसा को बचाने के दौरान मैं एक अज्ञात मुरंगी में गिर गया था, और आवा बन गया !

आप... आप तो फ्लेमिंगा के चाचा हैं !

कैसे कहेंगे ?

मैंने ठीक होने के लिए सटी होर पिछ, पर उसका असर ज्यादा देर तक नहीं रहा !

आपकी इसका उससे बहुत मिला रही है !

पर तुम लोग बड़े हो ?

फ्लेमिंगा के दोस्त छोटा नगराज और साबुल ! लेकिन आप और फ्लेमिंगा इस रूप में कैसे बदल गए ?

ये स्थिति इसा के लिए ज्यादा दुःखदायी थी !

क्योंकि वह किन में ही बच्ची
बार-बार मेरी गोद में बैठना चाहती
थी : मेरे गले लगना चाहती थी : लेकिन
उस बच्चे मेरा अपने ऊपर कंट्रोल नहीं
था ! मुझे पता नहीं था कि मैं कब
लावा में बदल जाऊँगा !

मैंने एक और सेंटीग्रेट बनाई :
पर मेरे बजाय वह डराने में पीली : इस
उन्मीद में कि सेंटीग्रेट पीकर अब वह
मेरे पास आसगी तो मेरी आग उस पर
असर नहीं करेगी ! पर ऐसा हुआ
नहीं !



मेरे पास आने ही वह
जल उठी ! पर सेंटीग्रेट ने
उसको जलाने नहीं दिया ! अब
डराने भी मेरी तरह हो गई
थी !

तब मैंने तय किया
कि इस बार मैं एक सेंटीग्रेट
सेंटीग्रेट बनाऊँगा ! और
मैंने सेंटीग्रेट बना लिया !
उसकी दो खुदाक पीने
के बाद हम दोनों एक-
दूसरे ठीक हो जायेंगे !

एक खुदाक ने मैं
पी चुका हूँ : पर दूसरी
खुदाक पीने से पहले वे
मुसीबत आ गई ! अब
कितना हालत भयानक बने रहने
में ही हम दोनों की
भलाई है !



जब मैंने यहाँ पर हो रही
गाइड के बारे में सुना तो मैंने
सोचा कि उग्रयद फ्लेमिंग भी
यहाँ पर हो। लेकिन यहाँ
पर तो सिर्फ तुम दोनो
थे।

लाला
अंकन!

अब क्या
हुआ?



हिमालय
बाने प्राणी तो
राम राम
थे।

इस नुरंग भजन आस
थे। उग्रयद बाढ़ में वे
भी उठ खड़े हुए
हैं।

पर इनके अंदर
आगर कोर्टेड सॉफ्टवेयर
का प्रोग्राम जैसी चीज
होती तो वह भी आस
से नष्ट हो जाती!

इस! यह तो
सही है। वादी कि
इनका प्रोग्रामिंग &
मिशन कहीं और से
जिम्मे रहे हैं।



ओ गैड!
ये पेड़ तो फिर मे
खड़ा हो गया! पर
कैसे?

मेम्बर तो
हिमालय की गुफा में
हो चुका है। इनके अंदर
अगर किसी रजस किस्म
की कंडिंग है।

कंडिंग?
जैसे कि कंप्यूटर,
नौवहन की?

सकटस
सही!

तब तो काग बने गये। इसी
मेंटल पौध, मिमिन्स का पीछा
करने हुए हमको उस जगह पर
पहुँचा सकनी है, जहाँ पर मेन
कंडोल मेंटर है।

उग्रयद बड़ी मेंटर जो
हिमालय की गुफा से
गुप्त कर दिया गया।

तो सोचना
बच है येने?
एवान लगन और
एकद मिमिन्स हीन
को।



माइक्रो का सोचना
सही था। मुझे कंडोल
बीन का बूत मिल रहा
है।

"अब जान्दी ही हम इसके सोम तक पहुंच जायेंगे।"

नारों की प्लास्टिक कवरिंग का इस्तेमाल करने वाले तुम्हारे आइडियल ने हमको गिरनी बिजलिया का ये मैदान पार करा दिया भूव!



हमारा छोटा होना भी हमारे काम आना जा रहा है स्टीन!

अब हमको दरवाजा खोलने की जरूरत नहीं है! हम दरवाजे के नीचे की खाली जगह से ही निकल सकते हैं!

और आज़ाद... मडिगाँड़! हम... हम तो एक कुची चट्टान के ऊपर हैं!



हम पहली में जो ये पहुंचने के लिए संप रकबी का प्रयोग किया तो अतीत तक पहुंचने से पहले मेरे साथ ही रहना ही जायेंगे!

और फिर कसबान है भूव! आज पहली बार इस स्थिति को सजा जिया है!



अब ये कबूतर क्या कर रहा है?



कबूतरों के सिर में मैग्नेटिक नारों को भेजने के लिए एक खास अंग होता है। ये अंगों के सीधे इन्फ्रारेड मैग्नेटिक तरंग सट्टासट कर रहा है जो कहीं दूर में हम जगह तक आ रही है!

जकर वो कमील ही ये सब कह रहा है! इस तरंग के दूसरे धोर पर बही होगा!

और महानगर में-

लारा अंकल
जल्दी कुछ करो!
हमको यहाँ से
कहीं और जाना
है! अजेंदली!

ठीक है!
तब तो मैं इस
ट्री को छोड़कर
आता हूँ!

छोड़कर?
पर कहाँ?

जके में

ओsss

अब क्याओ
कि कहाँ चलना
है?

डूधर जलिया अंकल!
अराबली माउंटेन रेंज
की तरफ!

वह--
वह पेड़
कहाँ गये?

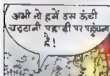
मैं उसको
धरती के तल तक
छोड़कर आया हूँ
अब वह कभी
पलक नहीं चलेगा!



अंकल,
धुप जाओ।

पर
ज्यों ?

बाद में पूछना !
अभी तो उस बादल
की आड़ ले लो !



अभी तो हमें उस ऊंची
चट्टानी पहाड़ी पर पहुँचना
है !



बाल-बाल
बचे !

अरे ! दे तो
ब्रह्मांड रक्षक
है ! पर ये छोटे
ऊँसे हो गए !

पर तुम
इससे धुप क्यों
दे हो ?

ये आपकी
कहानी से मीलती
कहानी है अंकल !



मुझे डरना को टूटना है ! और
डरना यहाँ पर नहीं है ! और
अगर वह यहाँ पर नहीं है तो
आपदा यहाँ होगी जहाँ पर ब्रह्मांड
रक्षक जा रहे हैं !

अरे भी उसके
पीछे जाना होगा !

यहाँ तो
मकड़म
आँत है

यहाँ पर कुछ
भी नहीं है
बच्चों !



जो कुछ भी
है वह यहीं पर
है अंकल !

यहाँ पर कुछ होगा
तो ब्रह्मांड रक्षक यहाँ से
अपस न जा रहे होंगे !



लेकिन
अंकल...

आप बच्चों ! लौटते
में मैं नुसको भी लेता
जाऊँगा ! वहीं रहना !

जब सब वहाँ से
जा रहे हैं तो हम यहाँ
पर क्यों रुके हैं
'बेटा राजा राज' ?

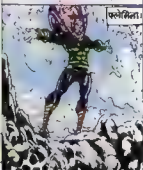
क्योंकि वे, बहुत
नहीं जानते जो हम
जानते हैं : इस रात
प्राणी को हराने का एक
ही तरीका है : इस कठोर
संघर्ष को मध्य करने
का !

इस
दुनिया की
अधिकतर उम्मीदें
हम हैं !

एक प्रमोद
और थी.

लेकिन किम हल्ल कहीं दुनिया पर संसार
बाल सबसे बड़ा खतरा भी थी-

फ्लेमिंग !



सेसा नहीं हो सकता : मैं
पृथ्वी के विनाश का कारण नहीं बन
सकती. मुझे अपनी कृपा को रोकना
होगा ! लेकिन मैं ससा नहीं कर पा
रही हूँ !

देख-बड़की : अब न आजाद
होने ही वाली है : मैंने अपनी दुनिया
को हिमाचल से हटाकर अरावली
की पहाड़ियों पर सुरक्षित छिपेट
कर दिया है !

अब मैं तेरी छवि से पृथ्वी के सभी
सहस्रावशों के चाली से छिड़ करके एक शिपाम
में भराना और फिर उसे लेकर अपने बग
पर लाऊँगा और उसे नष्ट कर दूँगा !

पादक फिर मे
पृथ्वी पर जीवन का
अंत करने के लिए
'पहला चरण उठा लिया'
था

लेकिन पृथ्वी का जीवन इनकी
आकांक्षी से मध्य होने वाला नहीं था-



ओफ़ ! ये
सीमा का भूंद
अकर्मक, बीच में
कहाँ से आ गया ?

मेरी
क्षमता छिड़क
रे को बेकार कर
दिया !

नहीं कर पा
रही हूँ मैं ससा !



अब मेरी गन में
डिंक रे बहुत
कम मात्रा में
है!

इस बार
को तो हर हाल
में कामयाब होना
ही पड़ेगा!

पर...पर
अब गन चाल
क्यों नहीं रही
है!



ओह! इस लड़की
ने अपने हाथों
को मजर्जी को डिंक
गन तक पहुंचाने वाली
मलियों में कैसा दिख
है!

गन को
पूरी ऊर्जा
नहीं मिल
पा रही है!



लेकिन ये लड़की
यह नहीं जानती
कि जल्दी ही वोले
में जमा होती ऊर्जा
का टबाव हुनका
बंद जायगा कि
यह उसको सह
नहीं पासगी!
इसको हाथ
निकालने ही
पड़ेगे!



मलत! मैं मलियों में
निचकर अपनी जान दे दूंगी!
लेकिन घुएवी के बिनाडा का
कारण नहीं बनूंगी!

दोनों तरफ से चालें
बटती जा रही थीं—



असह्य! अब गन में फिर
से मजर्जी आ गई है! मैं डिंक
रे के स्क- दो बार और कर
सकता हूँ!

अब मुझे डॉटिंकट अपना
पड़ेगा! अगर ऊर्जा मलियों के रास्ते तक
नक नहीं आ पा रही है तो मैं इसे ट्रांसमिशन
के रास्ते से संग्रहीत! अपनी शिप में मैं
तरंगों द्वारा जुड़ा हुआ हूँ! ये ऊर्जा अब शिप
के जरिये मेरे पास आसगी!

अब पानी
और मेरे बीच
में...

... कोई नहीं आसना! अरे! ब्रह्मांड रक्षक आज्ञाद कैसे हो गए ?

लगाता है मेरा तड़ित-अमरोध तुमको रोक नहीं पाया ! लेकिन तुम अच्छर के रूप में मेरा कुछ बिगड़ नहीं पाओगे !

तुम्हारे संसुओं पर पानी फेरने के लिए !

फिर हम क्या करें ? खड़े-खड़े पृथ्वी के खतम होने का तमझा देखें ? कोई तो रास्ता होगा झरकर रोकने का !

ये सच कह रहा है ! हमारे कर्ों में इतना दम नहीं है कि हम इसको रोक सकें !

अगर हम इसको रोक नहीं पाएंगे तो हमेशा के लिए इसी रूप में रह जायेंगे ! ब्रह्मांड रक्षकों का नामोनिशान भिट जासना !

ब्रह्मांड रक्षक बहादुरी तो दिखा रहे थे, लेकिन फिलहाल वे असहाय थे-

अब सारा दारोमदार 'टीन-हीरोज' पर था-

ये तो वही जगह है साइबो ! ये जरूर किसी किस्म की डिप होगी ! वरना इतनी लंबी-चौड़ी चीज को इतनी जल्दी सके जगह से दूसरी जगह ले जाना संभव नहीं है !

सही कहा ! पर इतनी बड़ी जगह में हम वह कंठोल सेंटर कैसे ढूँढ़ेंगे जो कोडिंग को नियंत्रित कर रहा है ?

ये तुम्हारा काम है शुक्र ! मेरा नहीं ! पर रोक बार तुम उस जगह का पता लगा लो...

... तो उसे तोड़ना मेरा काम है !



लगाता है किन्मत हमारे साथ है बेलो! पूरी छिप के सिस्टम 'इंट-हाउस' हैं, लेकिन वह हिस्सा जमावड़ा रहा है!

जकर वही इस छिप का मेन कंट्रोल सेंटर है!

किन्मत मचमूच इन दोनों के साथ थी यह कंट्रोल सेंटर इस कारण चमक रहा था, क्योंकि यहाँ इसका प्रयोग फ्लेमिंगा की कर्जा को अपने तक पहुँचाने के लिए कर रहा था-



यही है! हम सही जगह पर पहुँचे हैं अब बस, इसको फटाकट मोड़ दो!



उससे पहले मैं तुमको तेब-फोड़ दूँगा!



ये... ये यहाँ पर! और वह भी चार-चार।
 एक कोटिंग से कई सारी एक जैसे वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं, छोटा नागराज!
 ये तो सिर्फ चार हैं! कोटिंग से तो ये चार सौ चार हजार का चार लाख भी बन सकते हैं!

कोई बात नहीं! अगर ये चार या चार हजार बन सकता है तो मैं भी हजारों बन सकता हूँ!

तुम मशीन को तोड़ने की कोशिश करो! मैं इसको गैककर रखता हूँ।

आइस ह! मैं अपने और बन नहीं बना पा रहा हूँ!

पर क्यों?

क्योंकि जब नू पिछली बार यहाँ पर आया था तभी मेरे पाँच-सूँझ ने मेरी इच्छियों की स्क्रिनिंग कर ली थी।

ओह अब उसी ने तुम्हें पीछे फिक्कर बनाया है। तेरी इच्छियाँ का बिस्तर बनाने के लिए।

अब यहाँ पर मेरी सारी इच्छियाँ फिक्कर हो गयी हैं! मेरी कोई भी इच्छि मेरे बच नहीं आसगी!

मैं भी क्या करूँ? ये मशीन न जाने किस चीज से बनी है! टूटने लगे हुए, इस पर तो साराँच भी नहीं आ रही है!

अब नू ही कुछ कर साइबो!

लेकिन तुम पर जबरन आसगी!

दुखिरा की आखिरी उम्मीद भी टूट गयी थी-

और माध में बड़ाई रखकों की हथिदियाँ भी टूट गई थीं-

दुसका पहलुन बार रोक्के के लिए तो मैंने 'मीकलस' को आगे भेज दिया था, लेकिन अब तो आसपास कुछ भी नजर नहीं आ रहा है:

देखो! हम पर ये पहलुने ही छिंके का दुर्गन्धाल का चुका है! अब दुबारा हम पर इसका आगम नहीं होगा, और हावा भी तो मिथिसम न्यूनतम!

असिर हम कितने छोटे होंगे?

यस धुब! आसपास सब चीजें हैं, और वह हैं...

हम आगे!

हम आगे! यम! टिम ड्रज ग राइ अइविका

कैसा आइविका? देख, दुस का मुक, चक्कर कटान तो...

कुत्ते छोटे भी कम हैं कल > और पलास कला है >

सिमपल स फलन है! छिंके के घर से बाहर निकलने से रोकना है!

येसे! इसकी राज की ललियों को जाम करके!

इनके स्पडी से तो जैसे हजारों बोल्ट का करंट जरा रहा है!

और धेड़ी बहुत किरणें फिर भी बाहर निकल ही गयी है!

लेकिन इनकी मजरा बहुत कम है! और ये विजलीन भी है! अब मल्टी ही ये पुरा पैर बेक ऑक की बजह में अपने ऊपर ही टूट जायगा!

आइस है! ये सही कद रहे हैं! छिंके दुबको और छोटा तो कर सकनी है, लेकिन यह प्रोमिस बहुत क्लो है! धीमा है! उससे पहले तो मेरा पैर ही फट जायगा!

मुझे मल्टी ही अथर सकसत पुरा करनी होगी!

और येसा कर पने का अब एक ही रास्ता है!

ओह! ये तो समुद्र के अंदर कुदना चाहता है। मेमा करने से पानी दिखा-
हीन 'जिक' 'रज' के संपर्क में आ
जायगा। और पृथ्वी पर जीवन का
अंत हो जाएगा। इसे रोको,

जोशराज

बेफ़िडा
करता हूँ! पर
मेरे साथ साथ
मेरे साथ भी जिक
हो रहा है!



मैं अपने
उरीर के साथ संपर्क
निकाल दूंगा!



लेकिन
ये भी ज्यादा
देर इसका
बोझ नहीं
सह पायेगा!

पृथ्वी का विनाश कुछ ही देर

और कुछ ही पल दूर था.

जल्दी करो माइक्रो! अगर
सिस्टम टूट नहीं रहा तो
सिस्टम में कोई प्रयास करने
का उमे हैल करवा दो!



मैं नहीं तो कर रहा हूँ.
लेकिन ये प्रेशरिंग
जित-कून अलगा है!

जैसे कि
किसी दूसरे ग्रह की
हो। मैं समझ ही नहीं
पा रहा हूँ!

इस
समय के लिए
मुझे धैर्य और
कम चाहिए!



तब तक मैं इनको
कैसे रोके? इनका
पीयर फिल्टर तो मेरी
उपस्थिति को फिल्टर
कर रहा है.

क्योंकि वह हमको
सूँच कर चुका
है!

अगर मैं कोई
नई उपस्थिति
कल लूँ तो पीयर
फिल्टर उसको
प्रयोग कर चुका हूँ! रोके नहीं पायगा.

मुझे सोचना होगा;
मुझे कैसे देट करना
होगा!

और फिर मेरा दिमाग
अपने आप मेरे अंदर
झुपी उस डाकिले को
दुंदकर उसे सफ़्टिबेट
कर देगा!



और फिर-

फर्निनिना

इंस्टा

ये बरबा है?

सक नई
पॉवर!

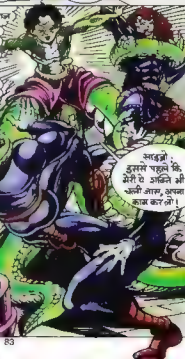
ये बरबा
है या पॉवर
हाउस?

घबराओ मत,
टिके रहो!

जल्दी ही पॉवर
फिल्टर इस पॉवर की
भी काट बनाकर हमारे
भी फिल्टर कर देगा!

वाऊ! आज... आज
पहली बार मेरी
मज्जा अक्लिवां
जागृत हुई है!

और वह भी
मेन बकल पर!



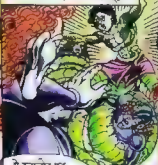
साइड्रो:
इससे पहले कि
मेरी ये अक्लि भी
अली जाय, अपना
काम कर लो!

मैं... मैं इस प्रोग्रामिंग
की बेसिक लेक्चर को समझ रहा
हूँ छोटा नागराज! अब बस मुझे
इसका सेंटी प्रोग्राम प्रिन्सिपल के तहत
समझा चाहिए!

साइबो की उंगलियाँ
उतनी तेजी से क्लिकबूम
पर नहीं चल पा रही थीं

और पॉवर फिल्टर छोटा नागराज
की उंगलियों को क्षीण करता जा रहा था-

या SSSSS



ये कमजोर पड़
रहा है! इसकी एक टुकड़ा
बाच बचा हुआ है! जल्दी ही
इसकी पूरी उम्र खत्म होगी!

मम मिलकर
टूट पड़े इस
पर!



अरे! ये सब
कहाँ गायब
हो गया?

ये सभी रूप कंट्रोल
सेंटर से संचालित हो
रहे थे!

यानी कंट्रोल
सेंटर को मैंने हथ
कर दिया है!

मैंने इसका सेंटी
प्रोग्राम लिखकर इसमें
लोड कर दिया है!

आवाज, गुरु!
यानी हमने इस
प्रोग्राम का अंत
कर दिया है!

यानी... यानी...

क्या सचमुच सेप्सा हो गया था-



मेरा हेलमेट टूट रहा है! पर कैसे? डायड केंद्रीय सेंटर में खराबी आ गई है! पर मेरा कास हो चुका है!

और अरबों क्यूबिक टन पानी तेजी से सिस्टमेटला था-



अब पृथ्वी का निवास सारा जल-

हो चुका है!

क्योंकि सुभे लटकाने वाली लोडारस्सी टूट चुकी है!



पानी का संपर्क, रॉय में अभी तक मौजूद छिकरे से हो चुका था-



उस छोटे से गिलास में कैद था-



या SSSS ह!



मेरा अभियान सफल हो गया है!



इतनी जल्दी नहीं,
औरत...

...तुम ठीक तो
हो न, बेटी!

पता नहीं पाव !
मिर घूम रहा है !
इसने मेरी पूरी इच्छा
चुसकर मुझे पृथ्वी पर
जीवन के अंत का
कारण बना दिया
है !



मेरे सेमा
जहीं होने
दुःख, बेटी !

अभी तो
पापा के अंदर
इतनी गर्मी
मौजूद है...



...जो इस प्रक्रिया
में मौजूद पृथ्वी के
संपूर्ण जल को...



-- बादल बनाकर
फिर से धरती पर
बरसा दे !



आस है !

जितनी तेजी से पानी छिंक हुआ था, उतनी ही तेजी से पानी फैलने लगा -

और डिंक रे का असर खत्म होने लगा-

भायो, गुरु!
सारी मछलियाँ टूट
रही हैं! डायड
अब इनमें ऊर्जा
का संभालने की
क्षमता नहीं
है!



डिंक रे का अस्तित्व
भी मिटने लगा-



हम सभी में से
ऊर्जा का कच्चा
बाहर फूट रहा है!

हम अपने
सामान्य आकार में
वापस आ रहे हैं!

मछलीनों के खत्म होते ही-



और यह सब
संभव हुआ है
लावा की मदद
से!

लेकिन हम बर्बाद हो गए
हैं! अब मेरे गुरु का रुक
भी प्राणी जीवित नहीं बचेगा
गुराची प्रजाति ब्रह्माण्ड से
नष्ट हो जायगी!

तुम ठीक
तो हो न,
लावा?

आह! अब मैं सिक
कलावा हूँ! मेरी सारी ऊर्जा
पानी को भाँप बहाने में खर्च हो गई है!
अब मैं और मेरी बेटी सामान्य दुंसल बन गई है!

प्रजाति? गुरु?
तुम आखिर हो
कौन?



एक सुदूर गुरु गोचल
का प्राणी! हमारे गुरु का
जल धीरे-धीरे लुप्त हो गया!
हम जल के अभाव में मरने
लगे!



तब हमने अपनी खोज
गुरु की ओर पुष्पी जान के
जलबुधन गुरु को बुंद लिया!
पर सबक्या थी कि इतना सारा
जल एक गुरु से दूसरे गुरु पर कैसे
ले जाया जाए! तब मैंने दिन रात
मेहनत करके इस डिंक रे का
अविष्कार किया!

लेकिन अब सब स्वतन्त्र हो गया है। मेरे हाथ पानी की एक बूंद भी नहीं लगी। मेरी छिप में अब सिर्फ बस जानने लायक ईंधन है। पर बापस में कौन सा मुँह लेकर जाऊँगा ?

और क्यों जाऊँगा ? बापस जाकर जालों गुराचियों को मृत देखने के लिए ?

इससे तो अच्छा है कि तुम जहाँ तक रुक, मेरा अभी और यहीं पर अंत कर दो !



बड़े झोक में। बस थोड़ा सा दर्द होगा !

रुको होगा ! ये अपराधी नहीं है ! इससे ये सब...

हां, रुको ! मेरे दिमाग में एक बात आ रही है !

मेरे हाथ का केंद्र पृथ्वी की तरह गर्म नहीं है ! ठंडा है ! पानी धीरे-धीरे उसमें धिसकर बर्फ बन गया है ! पानी अभी भी मेरे हाथ पर मौजूद है ! बस उसे पिघलाने का रास्ता सोचना है !

मैं चला ! मैं चला !

एक झिंझ ! अभी तक, तो तुमको ये बात नहीं पता थी !

हां, नहीं पता थी ! न जाने अभी कैसे ये रुखान मेरे दिमाग में आ गया ?



तुने लासो मिन्दियाई बचाई है, येने !

कुछ समझ ही नहीं आया, वार !

ले कौन सी अश्वि है जिसने उसको ये रहस्य बता दिया !



हां, रुक ! जब मिंटेल्याइट ब्रिक से मैंने तुम्हारे कंप्यूटर पर जैक की बातें सुनीं तो मैंने तुरन्त अपने मानसिक रूप को उसके गृह पर भेजकर वहाँ की छानबीन करी ! और वहाँ पर मुझे बर्फ बना पानी मिल गया !

शोक को कभी पता नहीं चलेगा कि, उसकी प्रज्वली को जीवदान देने चला हमारा टीन सन सुपर हीरो धोखे नागराज है ! पादोई भी सेह ! चलता है वार !